भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या2606

जिसका उत्तर 11 दिसंबर, 2024 को दिया जाना है ।

20 अग्रहायण, 1946 (शक)

डिजिटल हब की स्थापना

2606.श्री यदुवीर वाडियार:

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मैसूर के उभरते सूचना प्रौद्योगिकी और तकनीकी क्षेत्र की सहायता करने के लिए डिजिटल इंडिया योजना का लाभ किस प्रकार उठाया जा रहा है; और

(ख) क्या सरकार का इस योजना के अंतर्गत मैसूर में डिजिटल हब स्थापित करने अथवा स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान करने का प्रस्ताव है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क)और**(ख):**भारतसरकारछोटेशहरोंऔरकस्बोंमेंसूचनाप्रौद्योगिकीउद्योगकोबढ़ावादेनेकेलिएनिरंतरप्रयासकररहीहैऔरइससंबंधमेंसूचनाप्रौद्योगिकीउद्योगकेविकासकेलिएअनेकयोजनाएंऔरकार्यक्रमशुरू किएहैं।

सॉफ्टवेयरटेक्नोलॉजीपार्क (एसटीपी) इसप्रयासमेंसबसेमहत्वपूर्णयोजनाओंमेंसेएकहै। इसयोजनाकेतहत, मैसूरजैसेटियर -2 औरटियर -3 शहरोंमें 57 केंद्रोंकेसाथपूरेभारतमें 65 शहरोंमेंसॉफ्टवेयरटेक्नोलॉजीपार्कस्थापितकिएगएहैं।

एसटीपीकेंद्रइनक्यूबेटरसुविधाप्रदानकरतेहैंजोउद्यमियोंकोअपनेअभिनवविचारोंकोस्टार्टअपमेंबदलनेमेंमददकरतेहैं। इनक्यूबेटरसुविधाविभिन्नयोजनाओं, कार्यक्रमोंऔरउत्कृष्टताकेंद्रोंकेकार्यान्वयनकेमाध्यमसेउद्यमपूंजीपतियों (वीसी) जैसेनिवेशकों, आईआईटी/एनआईटी/उद्योगकेसलाहकारोंकेसाथबैठककरनेऔरआईटीपेशेवरोंकेसाथनेटवर्किंगकाअवसरप्रदानकरतीहै। सॉफ्टवेयरटेक्नोलॉजीपार्क्सऑफइंडिया (एसटीपीआई), मैसूरकेंद्रकेसाथ 32 आईटी/आईटीईएसइकाइयोंकोपंजीकृतकियागयाहै, जिससेवित्तवर्ष 2023-24 केलिए 1,726.84 करोड़रुपयेकानिर्यातहो पाया है।

******